भाकृअनुप–भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल ने ''अन्नदाता देवो भवः'' 75वाँ आजादी का अमृत महोत्सवः 24 अप्रैल 2022 को सतत कृषि और पर्यावरण के लिए प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय कार्यशाला में मनाया।

भाकृअनुप– भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल ने ''अन्नदाता देवो भवः'' के उपलक्ष्य में 24 अप्रैल 2022 को ''स्थायी कृषि और पर्यावरण के लिए प्राकृतिक खेती'' नामक एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के एक हिस्से के रूप में इस कार्यक्रम को हाइब्रिड मोड में मनाया गया। उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि श्री विष्णु खत्री, माननीय विधायक ने सतत कृषि के लिए प्राकृतिक खेती के महत्व पर जोर दिया। अपने स्वागत भाषण में, डॉ. आर. एलनचेलियन, प्रधान वैज्ञानिक और आयोजन सचिव ने कार्यशाला के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। डॉ. अशोक के. पात्र, निदेशक, भाकृअनुप–आईआईएसएस ने गणमान्य व्यक्तियों, किसानों और ऑनलाइन उपस्थित लोगों को भविष्य के जलवायु परिवर्तन पर्यावरण के तहत मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार के लिए प्राकृतिक खेती के महत्व पर संबोधित किया। उन्होंने आगे जोर दिया कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती प्रमुख घटक है।

प्रातः तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. एस.के. शर्मा, निदेशक (अनुसंधान), आरवीएसकेवीवी, ग्वालियर और सह–अध्यक्षता डॉ. एस.आर. मोहंती ने की। सत्र की शुरूआत में डॉ एन रविशंकर ने ''भारत में प्राकृतिक खेतीः एक अवलोकन'' पर व्यख्यान दिया। डॉ. बलजीत सिंह सहारन, एचएयू हिसार ने ''प्राकृतिक खेती में माइक्रोबियल गतिविधियों'' पर मुख्य भाषण दिया। डॉ. अशोक के. पात्रा, निदेशक, भाकृअनुप–आईआईएसएस ने ''मृदा स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेतीः संभावनाएं और बाधाएं'' पर एक मुख्य भाषण दिया।

दोपहर में, एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता डॉ. पी.पी. शास्त्री, पूर्व–डीन, कृषि माहाविद्यालय, आरवीएसकेवीवी, खंडवा, और सह–अध्यक्ष डॉ. प्रदीप डे, ने की। पैनल चर्चा में प्रख्यात वक्ता शामिल थे। डॉ. एस भास्कर, एडीजी (एएएफसीसी), आईसीएआर नई दिल्ली, डॉ. एस.आर. मोहंती, श्री राजेश चतुर्वेदी, डीडीए कृषि, मप्र, डॉ एबी सिंह, श्री पदम सिंह ठाकुर, आईएमसी सदस्य, श्री कृष्णपाल लोधी, प्रगतिशील किसान, नरसिंहपुर और श्री मनोहर पटीदार प्रगतिशील किसान भोपाल ने अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों के बीच प्राकृतिक खेती की संभावनाओं और सतत कृषि के लिए आगे बढ़ने पर चर्चा हुई। अंत में डॉ. एके विश्वकर्मा, प्रधान वैज्ञानिक एवं सह–संगठन सचिव ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम में संस्थान के छात्रों/आरए/एसआरएफ सहित सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक, शोध छात्र, किसान, जन प्रतिनिधियों समेत लगभग 250 प्रतिभागियों (150 ऑफलाइन और 100 ऑनलाइन) ने हिस्सा लिया।

ICAR IISS Bhopal celebrated "Annadata Devo Bhava"75 Azadi Ka Amrit Mahotsav: National Workshop on Natural Farming for Sustainable Agriculture & Environmenton 24thApril 2022

ICAR-IISS Bhopal organized a National Workshop entitled "**Natural Farming for Sustainable Agriculture & Environment" on 24th April 2022** at the institute premises to commemorate **"Annadata Devo Bhava"**. The event was celebrated in a hybrid mode as a part of the *"AzadiKa Amrit Mahotsav"* to commemorate *75 Years of India's Independence*. In the inaugural address, Chief Guest Shri Vishnu Khatri, Hon'ble MLA emphasized on the importance of natural farming for sustainable agriculture with reduced input costs and higher premium price for the produce. In his welcome address, Dr. R. Elanchezhian, PS & Organizing Secretary gave a brief introduction and importance of the workshop under current perspectives. Dr.Ashok K. Patra, Director, ICAR-IISS addressed the dignitaries, farmers and online attendees on the significance of natural farming for soil health improvement under future climate change environment. He further emphasized that natural farming are key component to enhance crop productivity for doubling farmers' income.

The technical session on Natural Farming chaired by Dr. SK Sharma, Director Research, RVSKVV, Gwaliorand Co-Chaired by Dr. SR Mohanty was held in the forenoon session.The session started with the keynote address by Dr. N Ravisankar, ICAR-IIFSR Modipuram on the topic "*Natural Farming in India: An Overview*". He appraised the detailed input characterization done at various centres under natural farming and asserted the need for development of standards and certification of produce. Dr. Baljeet Singh Saharan, HAU Hisar delivered the keynote address on "*Microbial activities in Natural Farming* " and elaborated the role of microbial community in nutrient transformation and release. A keynote address on " *Natural Farming for Soil Health: Prospects & Constraints"* was given by Dr. Ashok K. Patra, Director, ICAR-IISS. He emphasized on judicious diversion of land for natural farming based on niche area and crops coupled with minimum compromise on productivity.

In the afternoon, a Panel discussion was conducted which was chaired by Dr. PP Shashtri, Ex-Dean, COA, RVSKVV, Khandwa, MP and Co-Chaired by Dr. P. Dey, ICAR IISS. The panel discussion comprised of eminent speakers viz. Dr. S Bhaskar, ADG (AAFCC), ICAR New Delhi; Dr. SR Mohanty, NC SBB, ICAR-IISS, Bhopal; Sh. Rajesh Chaturvedi, DDA Agri, MP; Dr. AB Singh, ICAR IISS, Bhopal; Sh. Padam Singh Thakur, IMC Member ICAR-IISS, Sh. Krishnapal Lodhi, Progressive Farmer, Narsinghpur and Sh Manohar Patidar, Progressive farmer from Bhopal. Thereafter, discussion was held among the participants on the prospects of Natural Farming and way forward for sustainable agriculture. Dr. AK Vishwakarma, PS & Co-Organizing Secretary proposed vote of thanks at the end. The program was attended by 250 delegates including scientists & staff of the institute, students/RAs/SRFs and progressive farmers (150 offline and 100 online).